।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५४९ **तृतीय खण्ड – मौखिक**

सन् २०२३ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : ५०**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग ३)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(५)**

१. तीर्थंकर के ३४ विशेषताओं को क्या कहते हैं? .....

२. लोक के सबसे ऊपरी भाग को क्या कहते हैं? .....

३. परमात्मा बनने की शक्ति किसमें होती है? .....

४. हमारी किसके प्रति दृढ़ श्रध्दा है? .....

५. अप् याने क्या? .....

प्रश्न २. सही या गलत पहचानकर लिखिए। **(५)**

१. २८ मार्च १९९५ में प.पू. आनंदऋषिजी म.सा. का देवलोक गमन हुआ। .....

२. जीओ और जीने दो आदिनाथ भगवान का प्रमुख संदेश है। .....

३. धर्मस्थानक में अचित वस्तु लेकर जाना चाहिए। .....

४. गलती करना बुरा नहीं है। .....

५. जीवन एक पुस्तक है। .....

प्रश्न ३. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(५)**

१. कभी भूलकर झूठ न बोले, ... न किसी को दिया करे।

२. शांति ..... से जीवन की बगिया को सरसाऊंगा।

३. उपाध्याय ..... कराते, भ्रांति मिटाते ज्ञान बढ़ाते।

४. एक मंत्र हो एक ही पंथ, एक हमारे गुरु .....।

५. कहत ..... रिख, सुधारें ज्यों गुरु सीख।

प्रश्न ४. अंकों में जवाब लिखिए। **(५)**

१. प.पू. आनंदऋषिजी म.सा. ने कितने वर्ष संयम का पालन किया? .....

२. सुबह उठने पर कितने नवकार मंत्र का स्मरण करना चाहिए? .....

३. हाथी ने कितने दिन पैर अधर में पकड़ा था? .....

४. धर्म के कितने प्रकार हैं? .....

५. अभिगम कितने हैं? .....

प्रश्न ५. निम्न जीवों की जाति और काया पहचानिए। **(८)**

नाम	जाति	काया
१. हाथी	.....	.....
२. हीरा	.....	.....

नाम	जाति	काया
३. सेब	.....	.....
४. खटमल	.....	.....

प्रश्न ६ तीसरा बोल पूर्ण बोलिए। **(३)**

प्रश्न ७ 'विद्या ददाति.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। **(५)**

प्रश्न ८ 'महावीर बन जाऊंगा' कविता पूर्ण बोलिए। **(५)**

प्रश्न ९ **(९)**

सूचना – अन्त में 'कार' आनेवाले शब्दों को लिखिए।

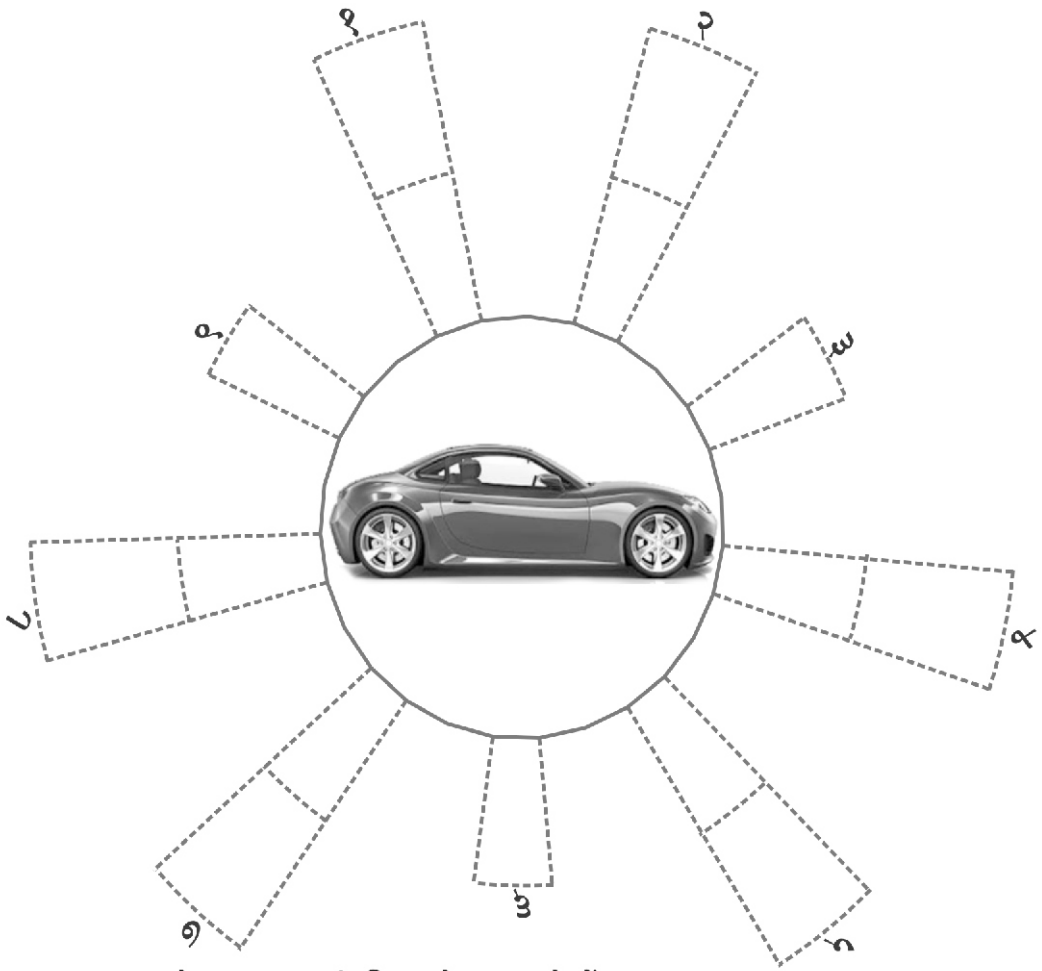

१. गुरु मानव मन के अज्ञान रूपी किसको दूर करते हैं?

२. स्वर्ण को भट्टी में कौन तपाता है?

३. शिष्य के भीतर विषय के साथ किसकी वासनाएं होती हैं?

४. घडा बनाने वाला व्यक्ति कौन है?

५. उपकारी हम पर क्या करते हैं?

६. कुंभकार मिट्टी को सुयोग्य क्या प्रदान करते हैं?

७. अनघड पत्थर से अप्रतिम मूर्ति कौन निर्माण करता है?

८. कठिन लोहे में लचीलापन कौन निर्माण करता है?

९. शिष्य के भीतर की वक्रता को गुरु किससे घिसते हैं?

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५४९ **तृतीय खण्ड – लेखी**

सन् २०२३ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग ३)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. तीर्थंकर को किसकी स्थापना के लिए धर्म तीर्थंकर कहा गया है? .....
२. 'धम्मो दीवो पइट्ठाय गइ सरण मुत्तमं।' यह किस सूत्र में कहा हैं? .....
३. गुरु के हृदय में किसकी तरह नेतृत्व शक्ति होती हैं? .....
४. तीर्थंकर के ३४ विशेषताओं को क्या कहते है? .....
५. लोक के सबसे ऊपरी भाग को क्या कहते हैं? .....
६. कौन प्राणीमात्र को अपने समान समझते हैं? .....
७. परमात्मा बनने की शक्ति किसमें होती है? .....
८. किसे देखकर तुरंत निर्णय लेना चाहिए? .....
९. हमारी किसके प्रति दृढ़ श्रध्दा है? .....
१०. क्या करना बुरा नहीं होता हैं? .....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(८)**

१. ..... वाणी कह करके मत, कभी किसी के घाव करो।
२. उपाध्याय ..... कराते, भ्रांति मिटाते ज्ञान बढ़ाते।
३. शांति ..... से जीवन की बगिया को सरसाऊंगा।
४. ..... तत्त्व के नौ प्रकार ये, जो प्राणी अपनाएंगे।
५. थोडा बोले मीठा बोले, ... कर्म का नेम करे।
६. एक मंत्र हो एक ही पंथ, एक हमारे गुरु .....।
७. कहत ..... रिख, सुधारें ज्यों गुरु सीख।
८. ..... रूप आप हो, मंगल महान हो।

प्रश्न ३. सही है या गलत पहचानकर लिखिए। **(१०)**

१. २८ मार्च १९९५ में प.पू. आनंदऋषिजी म.सा. का देवलोक गमन हुआ। .....
२. जीओ और जीने दो आदिनाथ भगवान का प्रमुख संदेश है। .....
३. तीर्थंकर दीक्षा लेने से पूर्व तीन वर्ष दान देते हैं। .....
४. कुलकर्णी और देशपांडे को रास्ते में एक घर मिला। .....
५. धर्मस्थानक में अचित वस्तु लेकर जाना चाहिए। .....
६. भ. महावीर की कुल उम्र ५५ वर्ष की थी। .....
७. मेघमुनि का पूर्व भव खरगोश था। .....

८. तीर्थंकर के उपदेश को प्रवचन कहते हैं। .....

९. वेश्यागमन करना व्यसन हैं। .....

१०. जीवन एक पुस्तक है। .....

प्रश्न ४. मैं कौन हूँ, लिखिए। **(५)**

१. आत्मा को एक स्थान से दूसरे स्थान लेकर जाने वाली .....

२. भ. आदिनाथ को इक्षुरस बहराने वाला .....

३. अप्पा सो परमप्पा कहने वाला दर्शन .....

४. अनघड पत्थर की मूर्ति बनाने वाला .....

५. मेघमुनि के पिताजी .....

प्रश्न ५. जोड लगाइए। **(५)**

अ–स्तंभ		ब–स्तंभ	अ–स्तंभ	ब–स्तंभ
१. गलन् मधुरसा पूर्वं	अ.	सद्यः साधु समागमः।	१.	.....
२. विद्या वितर्को, विज्ञानं	आ.	भवन्तु लोकः।	२.	.....
३. तीर्थं फलति कालेन	इ.	वर्धन्ते।	३.	.....
४. चत्वारी तस्य	ई.	कर्कशाऽपि सितोपला।	४.	.....
५. सर्वत्र सुखी	उ.	स्मृतिस्तत्परता क्रिया।	५.	.....

प्रश्न ६. यह सीख किस कहानी की है पहचानकर लिखिए। **(५)**

१. प्राणीमात्र को अपने समान समझना चाहिए। .....

२. चलते समय जागृती रखनी चाहिए। .....

३. धर्म की शरण में हमारी सुरक्षा है। .....

४. गलत निर्णय को बदलना चाहिए। .....

५. हर काम समय पर करना चाहिए। .....

प्रश्न ७. अंकों में जवाब लिखिए। **(५)**

१. प.पू. आनंदऋषिजी म.सा. ने कितने वर्ष संयम का पालन किया? .....

२. सुबह उठने पर कितने नवकार मंत्र का स्मरण करना चाहिए? .....

३. हाथी ने कितने दिन पैर अधर में पकड़ा था? .....

४. धर्म के कितने प्रकार है? .....

५. अभिगम कितने हैं? .....

प्रश्न ८. निम्न जीवों की जाति और काया पहचानिए। **(८)**

नाम	जाति	काया
१. हाथी	.....	.....
२. हीरा	.....	.....
३. सेब	.....	.....
४. खटमल	.....	.....

प्रश्न ९. निम्न परिभाषाएं किसकी है, पहचानकर लिखिए। **(५)**

१. जिस इन्द्रिय के द्वारा चखे हुए रस का ज्ञान होता है .....
२. मकान तैयार होने पर उसे नाम देना .....
३. जिन जीवों को तीन इन्द्रियाँ होती हैं .....
४. जिनका शरीर अग्नि होता है .....
५. सूरज का प्रकाश .....

प्रश्न १०. ये कौन है, पहचानिए। **(५)**

१. दूसरों के भरोसे पर रहनेवाला .....
२. हित की बात न सुननेवाला .....
३. नीती से कमाई करनेवाला .....
४. धर्मपर दृढ रहनेवाला .....
५. सबसे गुण लेनेवाला .....

प्रश्न ११. निम्न सवालों के जवाब लिखिए। **(१०)**

१. तीर्थंकर जहाँ रहते हैं वहाँ क्या नहीं होता है? .....
२. तीर्थंकर के समवशरण में सभी कैसे रहते हैं? .....
३. किसी भी दो कुव्यसनों के नाम लिखिए। .....
४. तेऊकाय के दो उदाहरण लिखिए। .....
५. लट को कौनसी इन्द्रियां हैं? .....

प्रश्न १२. 'भगवान महावीर' का परिचय लिखिए। **(५)**

.....
.....
.....
.....
.....

प्रश्न १३. 'गुरु' के गुणों को समझाइए। **(५)**

.....
.....
.....
.....
.....
.....

प्रश्न १४. 'विद्या ददाति.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। **(५)**

.....
.....
.....
.....
.....
.....

सूचना – अन्त में 'कार' आनेवाले शब्दों को लिखिए।

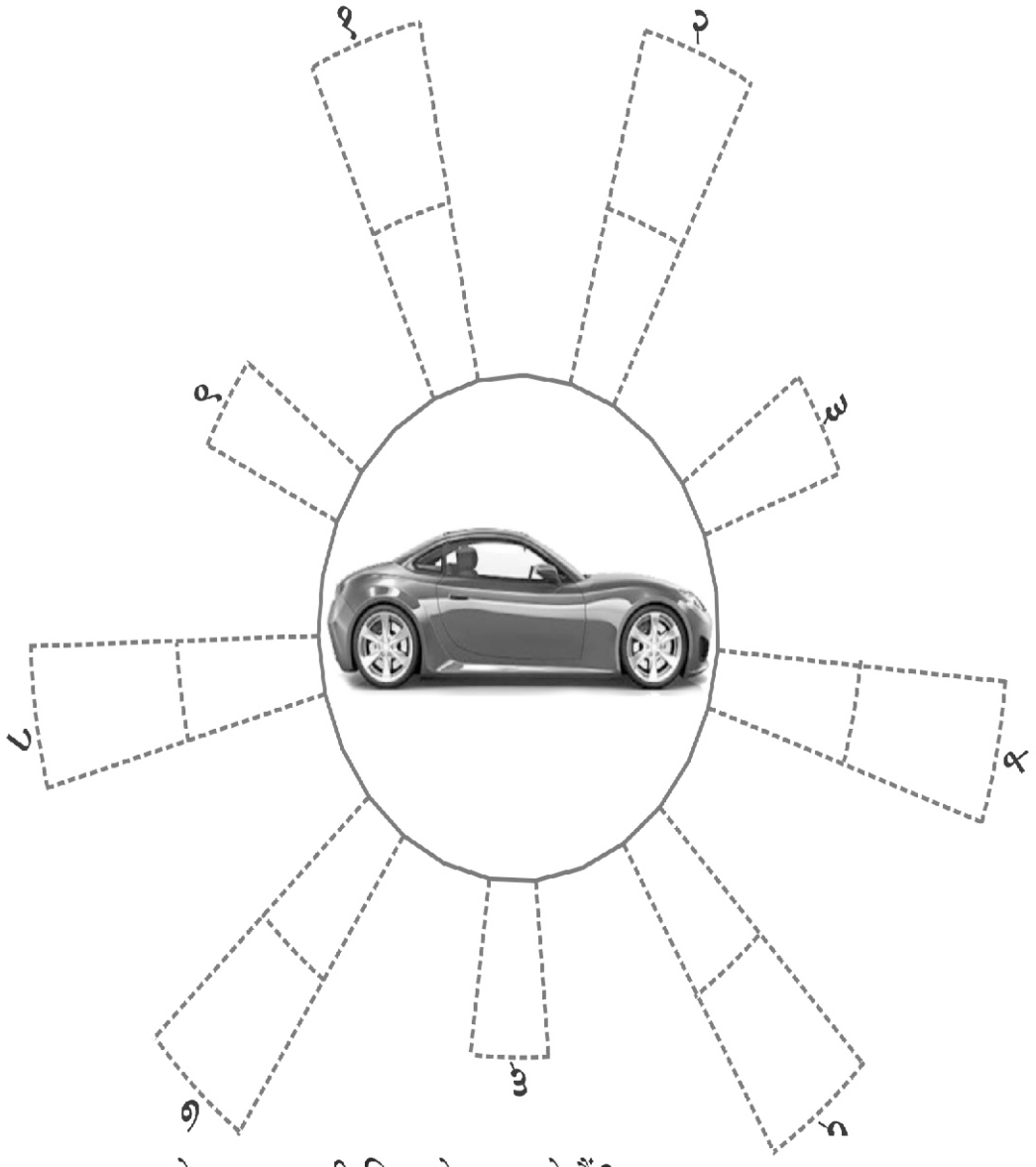

१. गुरु मानव मन के अज्ञान रूपी किसको दूर करते हैं?

२. स्वर्ण को भट्टी में कौन तपाता है?

३. शिष्य के भीतर विषय के साथ किसकी वासनाएं होती हैं?

४. घडा बनाने वाला व्यक्ति कौन है?

५. उपकारी हम पर क्या करते हैं?

६. कुंभकार मिट्टी को सुयोग्य क्या प्रदान करते हैं?

७. अनघड पत्थर से अप्रतिम मूर्ति कौन निर्माण करता है?

८. कठिन लोहे में लचीलापन कौन निर्माण करता है?

९. शिष्य के भीतर की वक्रता को गुरु किससे घिसते हैं?

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५४९ **द्वितीय खण्ड – मौखिक**

सन् २०२३ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : ५०**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग २)

प्रश्न १. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(५)**

१. नहीं रूप से किंतु ..... से, बनता है हर मानव का स्तर।
२. नमो सदा ही नमस्कार हो, ... अरिहंतों को।
३. ज्ञान भरा ..... है पुस्तक।
४. पहले खुद पर करो .....।
५. सत्य ..... का रस पीऊ।

प्रश्न २. अंकों में जवाब बताइए। **(५)**

१. आर्य वज्र स्वामी ने कितने अंग कंठस्थ किये थे? .....
२. दृढ आदत डालने में कितने दिन लगते हैं? .....
३. माता त्रिशला ने कितने स्वप्न देखे थे? .....
४. माला में कितने मणि होते हैं? .....
५. विहरमान कितने हैं? .....

प्रश्न ३. सही है या गलत पहचानकर बताइए। **(५)**

१. कोई संत रास्ते में दिखे तो उन्हें वंदन नहीं करना चाहिए। .....
२. अपनी कमजोरियों को सुधारने का प्रयास करना चाहिए। .....
३. बडों की बात मान ले तो जीवन अच्छा बनता है। .....
४. निर्भिकता से नहीं रहना चाहिए। .....
५. जूठा नहीं डालें। .....

प्रश्न ४. एक शब्द में जवाब बताइए। **(५)**

१. इन्द्र भगवान महावीर को कौन-से पर्वत पर लेकर गये? .....
२. हर सुबह पानी भरने के लिए कौन निकलता था? .....
३. सामायिक का सबसे मुख्य साधन कौन-सा है? .....
४. जैन धर्म के त्यौहारों को क्या कहते है? .....
५. अच्छे बच्चें किसे अपनाते हैं? .....

प्रश्न ५. प्रतिदिन दोहराने के संकल्प बताइए। **(५)**

१. .....
२. .....

३. .....

४. .....

५. .....

प्रश्न ६. नीचे दिए गए नंबर के सती और विहरमान का नाम बताइए। **(५)**

	नाम
१. २ रे विहरमान	.....
२. ७वीं सती	.....
३. ११वें विहरमान	.....
४. १२वीं सती	.....
५. १८वें विहरमान	.....

प्रश्न ७ 'न तथा शीतलसलिलं.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। **(५)**

प्रश्न ८ 'अमृत और विष' कविता पूर्ण बोलिए। **(५)**

प्रश्न ९ **(१०)**

Instruction - Tick on right option depending on the habit shown in the picture.

Good / Bad

Good / Bad

Good / Bad

Good / Bad

Good / Bad

Good / Bad

Good / Bad

Good / Bad

Good / Bad

Good / Bad

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५४९ **द्वितीय खण्ड – लेखी**

सन् २०२३ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग २)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. भगवान महावीर कौन-से ग्राम में ध्यान क्रिया में दत्तचित्त खडे थे? .....

२. जीवनवृक्ष की जड़ें किसकी मिट्टी में गहराई से जम जाएं? .....

३. बुरी आदत को अच्छी आदत से क्या करना चाहिए? .....

४. हर सुबह पानी भरने के लिए कौन निकलता था? .....

५. सामायिक का सबसे मुख्य साधन कौन-सा हैं? .....

६. जैन धर्म के त्यौहारों को क्या कहते हैं? .....

७. पोलासपुर नगरी में कौन पधार रहे थे? .....

८. आर्य देश कितने हैं? .....

९. अच्छे बच्चें किसे अपनाते हैं? .....

१०. माला का क्या उपयोग हैं? .....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(१०)**

१. नहीं रूप से किंतु ..... से, बनता है हर मानव का स्तर।

२. सुलसा ..... धर्म दुलारी, सती सुभद्रा शिवा हमारी।

३. नमो सदा ही नमस्कार हो, ... अरिहंतों को।

४. फूलों जैसे कोमल बच्चों रहना ..... के पक्के।

५. ज्ञान भरा ..... है पुस्तक।

६. बुद्धि हमारी ..... कर दो।

७. पहले खुद पर करो .....।

८. सूरज निकला हुआ .....।

९. सत्य ..... का रस पीऊं।

१०. कष्टों में ..... सीखो।

प्रश्न ३. इस कहानी की कोई एक सीख लिखिए। **(७)**

१. भगवान की सहनशीलता .....

२. उपहार उपयोगी हो .....

३. बालक सरल हो .....

४. छेदवाला मटका .....

५. नमक की खीर .....

६. महावीर जयंती .....

७. सम्यक् श्रवण .....

प्रश्न ४. नीचे दिए गए नंबर के सती और विहरमान का नाम लिखिए। **(१०)**

१. २ रे विहरमान .....
२. ३री सती .....
३. ५वें विहरमान .....
४. ७वीं सती .....
५. ९वें विहरमान .....
६. ११वीं सती .....
७. १२वें विहरमान .....
८. १२वीं सती .....
९. १७वें विहरमान .....
१०. १५वीं सती .....

प्रश्न ५. Success की सीढीयां कितनी और कौनसी, लिखिए। **(८)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न ६. प्रतिदिन दोहराने के संकल्प लिखिए। **(५)**

१. .....
२. .....
३. .....
४. .....
५. .....

प्रश्न ७. सुभाषित का अर्थ पूर्ण कीजिए। **(१०)**

१. दान, ..., व्रतपालन में कभी संतोष नहीं करना चाहिए।
२. पानी में गिरा हुआ ..... पूरी तरह पानी में फैल जाता है।
३. ..... का बीता हुआ एक क्षण भी फिर से नहीं मिलता।
४. प्राणों से भी ज्यादा ..... की रक्षा करनी चाहिए।
५. व्यक्ति ने स्वयं का ..... नहीं छोडना चाहिए।
६. ..... को 'बहुरत्ना वसुंधरा' कहते है।
७. सभी जीवों में ..... का विकास हो।
८. चंदन का रस ..... प्रदान करता है।
९. ..... शांति प्रदान करता है।
१०. ज्ञान ..... में चाहिए।

प्रश्न ८. अंकों में जवाब बताइए। **(५)**

१. आर्य वज्र स्वामी ने कितने अंग कंठस्थ किये थे? .....

२. दृढ आदत डालने में कितने दिन लगते हैं? .....

३. माता त्रिशला ने कितने स्वप्न देखे थे? .....

४. माला में कितने मणि होते हैं? .....

५. विहरमान कितने हैं? .....

प्रश्न ९. ये कार्य किसने किए है पहचानकर उनके नाम लिखिए। **(१०)**

	कार्य	**नाम**
१.	१३०० पंक्तियों की काव्य रचना	.....
२.	सबसे छोटा तबला वादक	.....
३.	एक व्यक्ति का ऑपरेशन	.....
४.	वायुयान का आविष्कार	.....
५.	ब्रेललिपी का निर्माण	.....
६.	शतरंज का खिताब	.....
७.	११ अंग कंठस्थ	.....
८.	३०००० पेंटिंग्ज	.....
९.	२ वर्ष में पढना	.....
१०.	दीक्षा	.....

प्रश्न १०. सामायिक के साधन और उनके उपयोग लिखिए। **(१०)**

	साधन	**उपयोग**
१.	.....	.....
२.	.....	.....
३.	.....	.....
४.	.....	.....
५.	.....	.....

प्रश्न ११. 'न तथा शीतलसलिलं.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Instruction - Tick on right option depending on the habit shown in the picture.

Good / Bad

Good / Bad

Good / Bad

Good / Bad

Good / Bad

Good / Bad

Good / Bad

Good / Bad

Good / Bad

Good / Bad

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५४९ **प्रथम खण्ड – मौखिक**

सन् २०२३ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : ५०**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग १)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(५)**

१. विक्की कौन-से दिवस के लिए उत्साहित था? .....

२. श्रेणिक राजा कौन-सी नगरी में रहता था? .....

३. चतुर और बुद्धिमान लड़की कौन थी? .....

४. माता-पिता किसके समान हैं? .....

५. देर से उठना कैसी आदत है? .....

प्रश्न २. सही है या गलत बताइए। **(५)**

१. खिलौने चॉकलेट के लालच में, किसी अनजान के साथ नहीं जाना चाहिए। .....

२. वर्धमान की प्रशंसा सुनकर एक ईर्ष्यालु देव को दया आई। .....

३. अमरकुमार को अग्नि के बलिवेदी पर बिठाया गया। .....

४. विक्की शिक्षक दिवस के लिए उत्साहित था। .....

५. पंच परमेष्ठि में आचार्य का दूसरा नंबर हैं। .....

प्रश्न ३. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(५)**

१. आंख का गहना ..... रखना।

२. महावीर के हम ..... बनेंगे।

३. मीठे मधुर ..... से अच्छे।

४. सदा करो तुम ..... बात।

५. सोचो तुम ..... क्या हो?

प्रश्न ४. इनके नाम बताइए। **(५)**

१. हमारे दूसरे गणधर .....

२. हमारे १२ वें तीर्थंकर .....

३. हमारे तीसरे परमेष्ठि .....

४. हमारे प्रथम तीर्थंकर .....

५. हमारे दसवें गणधर .....

प्रश्न ५. नीचे दिए हुए पदों के रंग और गुण बताइए। **(१०)**

पद	रंग	गुण
१. णमो अरिहंताणं	.....	.....
२. णमो उवज्झायाणं	.....	.....

पद	रंग	गुण
३. णमो णाणस्स	.....	.....
४. णमो सिध्दाणं	.....	.....
५. णमो तवस्स	.....	.....

प्रश्न ६ 'शिवमस्तु सर्व जगत:.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। **(५)**

प्रश्न ७ 'मीठी वाणी' कविता पूर्ण बोलिए। **(५)**

प्रश्न ८ **(१०)**

सूचना – उपयोग के अनुसार साधनों को पहचानिए।

जीवरक्षा का साधन

जाप करने का साधन

स्वाध्याय के साधन

बैठने का साधन

वाणी विवेक का साधन

संतों के आहार के साधन

किताबें

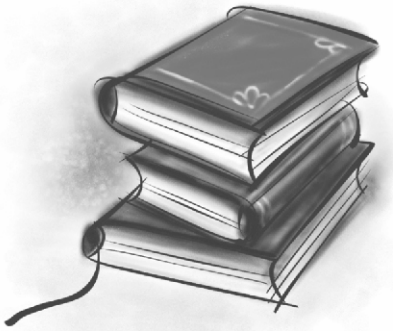

मुंहपत्ती

रजोहरण

पात्रे

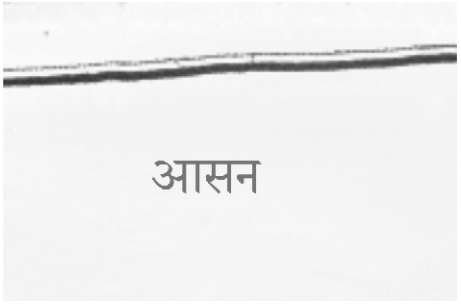

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५४९ **प्रथम खण्ड – लेखी**

सन् २०२३ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग १)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. विक्की कौन-से दिवस के लिए उत्साहित था? .....
२. महात्मा का चौथे नंबर का शिष्य कैसा था? .....
३. श्रेणिक राजा कौन-सी नगरी में रहता था? .....
४. जैन इतिहास के तपस्वी संत कौन हैं? .....
५. चतुर और बुद्धिमान लड़की कौन थी? .....
६. ब्राह्मण के घर कौन-सा कार्यक्रम था? .....
७. कौन आपको कभी नहीं छोडेंगे? .....
८. माता-पिता किसके समान हैं? .....
९. देर से उठना कैसी आदत है? .....
१०. विक्की कौनसी कक्षा में था? .....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(१०)**

१. सूत्र हमारा सत्य निधान, धर्म हमारा ..... प्रधान।
२. देव हमारे हैं ..... और गुरु हमारे हैं निर्ग्रन्थ।
३. अरिहंत के ..... हैं, अहिंसा धर्म हमारा हैं।
४. अहिंसा की ..... नसों में भरेंगे।
५. मधुर वचन ..... को सहलाते।
६. आंख का गहना ..... रखना।
७. महावीर के हम ..... बनेंगे।
८. मीठे मधुर ..... से अच्छे।
९. सदा करो तुम ..... बात।
१०. सोचो तुम ..... क्या हो?

प्रश्न ३. सही है या गलत लिखिए। **(१०)**

१. खिलौने चॉकलेट के लालच में, किसी अनजान के साथ नहीं जाना चाहिए। .....
२. वर्धमान की प्रशंसा सुनकर एक ईर्ष्यालु देव को दया आई। .....
३. अमरकुमार को अग्नि के बलिवेदी पर बिठाया गया। .....
४. विक्की शिक्षक दिवस के लिए उत्साहित था। .....
५. पंच परमेष्ठि में आचार्य का दूसरा नंबर हैं। .....
६. ब्राह्मणी को बुजुर्गों का डर लग रहा था। .....
७. आश्रम के पास एक बगीचा है। .....

८. उपाध्याय के छत्तीस गुण हैं। .....

९. आसन बैठने का साधन हैं। .....

१०. अरिहंत का रंग लाल हैं। .....

प्रश्न ४. सुभाषित का पद पूर्ण कीजिए। **(१०)**

१. सर्वत्र सुखी भवन्तु .....।

२. ..... सर्वत्र पूज्यते।

३. प्रथमे नार्जिता .....।

४. ..... कुतो विद्या?

५. तत्र ..... ध्रुवम्।

६. श्रूयतां ..... सर्वस्वं।

७. क्रमशः पूर्यते .....।

८. दानमध्ययनं .....।

९. ..... मे सव्व भूएसु।

१०. .....माहूरनुत्तमम्।

प्रश्न ५. इनके नाम लिखिए। **(१०)**

१. हमारे दूसरे गणधर .....

२. हमारे १२ वें तीर्थंकर .....

३. हमारे तीसरे परमेष्ठि .....

४. हमारे प्रथम तीर्थंकर .....

५. हमारे दसवें गणधर .....

६. हमारे दूसरे परमेष्ठि .....

७. हमारे चौथे गणधर .....

८. हमारे १८ वें तीर्थंकर .....

९. हमारे पांचवे परमेष्ठि .....

१०. हमारे २१ वें तीर्थंकर .....

प्रश्न ६. ये किसने कहा, लिखिए। **(१०)**

१. तुम यह सब्जी क्यों लाये? यह तो अपने लिए अकल्पनीय आहार है। .....

२. ओह, तो अब यह हमारी गलती है। तुमने घंटी क्यों नहीं बजाई? .....

३. कुमार! सचमुच आप वीर नहीं, महावीर हैं। .....

४. राजन! उस जगह एक यज्ञ करना पड़ेगा। .....

५. आपने साइकिल को रोकना चाहिए था। .....

६. रात को वह बहुत बीमार हो गई थी। .....

७. वत्स! तुमने बगीचे में क्या देखा? .....

८. माँ, दादीजी कहाँ हैं? .....

९. यह स्वर्गलोक है। .....

१०. मुझे माफ करो। .....

प्रश्न ७. नीचे दिए हुए पदों के रंग और गुण लिखिए। **(१०)**

पद	रंग	गुण
१. णमो अरिहंताणं	.....	.....
२. णमो उवज्झायाणं	.....	.....
३. णमो णाणस्स	.....	.....
४. णमो सिध्दाणं	.....	.....
५. णमो तवस्स	.....	.....

प्रश्न ८. कहानी से सीख की जोड लगाइए। **(६)**

अ–स्तंभ	ब–स्तंभ	अ–स्तंभ	ब–स्तंभ
१. नवकार मंत्र की महिमा	अ. सत्य को स्वीकार करना चाहिए।	१.	.....
२. चार बातें भगवान की	आ. सच्चे मन से स्मरण करें।	२.	.....
३. आदतें अच्छी हो	इ. निडरता से कार्य करें।	३.	.....
४. वर्धमान का साहस	ई. बुरी आदतों से बचे।	४.	.....
५. झुके सो पाए	उ. सच्चाई से रहना।	५.	.....
६. ईमानदारी	ऊ. अहंकार को त्यागे।	६.	.....

प्रश्न ९. इन्होंने कौनसा कार्य किया लिखिए। **(१०)**

१. मां की इच्छा के लिए ईश्वरचंद विद्यासागर ने ..... का निर्माण किया।
२. मां को तकलीफ ना हो इसलिए भ. महावीर ने गर्भ में ..... बंद की।
३. १० वर्ष की उम्र में पू. आनंदऋषिजी म. ने ..... कंठस्थ किया।
४. मां की इच्छा के लिए चाणक्य ने अपने दोनों ..... तोड दिए।
५. श्रवणकुमार ने अपने ..... माता पिता की इच्छा पूरी की।
६. मां की इच्छा के लिए श्रीराम ने ..... स्वीकार किया।
७. शिवाजी महाराज ने बचपन में ..... की स्थापना की।
८. श्रीकृष्ण ने मां की इच्छा के लिए ..... किया।
९. ..... सबको रोचक तथ्य बताती है।
१०. ..... हमें प्रतिपल समय बताती है।

प्रश्न १०. 'गुरु वंदन का पाठ' पूर्ण लिखिए। **(३)**

.....
.....
.....

प्रश्न ११. 'शिवमस्तु सर्व जगतः.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। **(५)**

.....
.....
.....
.....
.....
.....

सूचना – उपयोग के अनुसार साधनों को पहचानिए।

किताबें

माला

जीवरक्षा का साधन

जाप करने का साधन

स्वाध्याय के साधन

बैठने का साधन

मुंहपत्ती

वाणी विवेक का साधन

संतों के आहार के साधन

पात्रे

रजोहरण

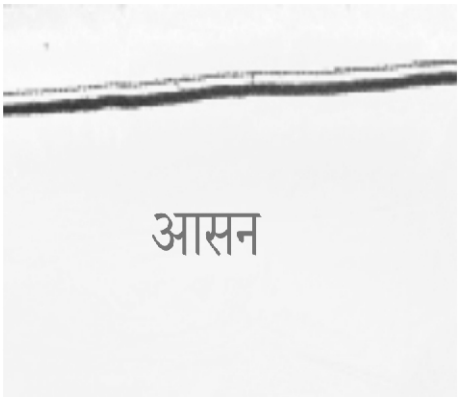

आसन